

Sem 1 (MJC)

8 वेगनर का महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत :-

प्रस्तावक : अल्फ्रेड वेगनर

वर्ष : 1912

विषय : भू-आकृति / भौतिक भूगोल

* सिद्धांत का मूल विचार :

वेगनर के अनुसार, पृथ्वी के सभी महाद्वीप पहले एक ही विशाल महाद्वीप के रूप में जुड़े थे, जिसे उन्होंने पैंजिया कहा।
→ बाद में यह पैंजिया टूटकर अलग-अलग महाद्वीपों में बंट गया और वे महाद्वीप धीरे-धीरे अपने वर्तमान स्थानों की ओर खिसकते चले गए।

* पैंजिया की संरचना : पैंजिया दो भागों में विभक्त हुआ :

(क) लॉरेंशिया :

उत्तर अमेरिका, यूरोप, एशिया।

(ख) गोंडवानालैंड :

दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अंटार्कटिका, भारत।

→ इन दोनों के बीच स्थित महासागर को टेथिस सागर कहा गया।

* महादीपीय विस्थापन के प्रमाण :-

1. तटरेखाओं की समानता :-

अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका की तटरेखाएँ एक-दूसरे में जिगसा पॉजल की तरह फिट होती हैं।

2. भू-रचना संबंधी प्रमाण :-

अफ्रीका और ब्राजील में समान प्रकार की चट्टानें पाई जाती हैं।

→ पर्वत श्रृंखलाओं आलग-अलग महादीपों में एक-दूसरे से मिल जाती हैं।

→ मेसोजॉस

(3) जीवाश्म प्रमाण :-

मेसोजॉस जीवाश्म अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका दोनों में मिले। गेलोसोप्टेरिस वनस्पति जीवाश्म भारत, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में मिले।

(4) जलवायु संबंधी प्रमाण :-

आज के ऊष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में हिमानी निक्षेप पाए जाते हैं। भारत, अफ्रीका, और ऑस्ट्रेलिया में हिमयुग के प्रमाण मिले।

(5) प्लेसर निक्षेप :-

बौना, हीरा, जैसी खनिज अफ्रीका और भारत के तटीय पर पाए जाते हैं।

* वेगनर द्वारा बताए गए विस्थापन के बल वेगनर के अनुसार महाद्वीपों के बिसर्कने के कारण :

① ध्रुवीय पलायन

② ज्वारीय बल

→ बाद में वैज्ञानिकों ने इन बलों को अपर्याप्त माना।

* वेगनर सिद्धांत की सीमाएँ (कमियाँ) :

महाद्वीपों के बिसर्कने

के लिए संतोषजनक बल नहीं बता पाए।

→ महासागरीय भूपर्पटी की भूमिका स्पष्ट नहीं की।
सिद्धांत केवल अनुमान पर आधारित था। गणितीय और भौतिक आधार कमजोर था।

* सिद्धांत का महत्व :

आधुनिक प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत

का आधार।

महाद्वीपों के विकास की समझने में सहायता जीवाश्म और जलवायु वितरण की व्याख्या।

* निष्कर्ष :

यद्यपि वेगनर का सिद्धांत पूर्ण रूप से स्वीकार नहीं किया गया, फिर भी यह भूगोल के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी विचार था।
बाद में विकसित प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत ने वेगनर के विचारों को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया।